and exposed to militant attacks, following the early withdrawal of security forces from Northern Kashmir (as reported in the Indian Express of June 21, 1996); and

(b) if so, the number of persons including political activists, killed by militants in that area, during post-election period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTERY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS: (SHRI S.R. BALASUBRAMONIYAN):
(a) and (b) The Indian Express dated 21st June, 1996 does not carry any such report. However, according to available information two political activists of the Congress (I) were killed in terrorist violence in North Kashmir area viz. Districts Kupwara and Baramulla, during the period after the Lok Sabha elections. There is adequate deployment of security forces in the area and sustained pressure is being maintained on the militants to curb their activities.

पटना में भूमिगत सीवर लाइन का बिछाया जाना

1791. श्री नागमणि: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार पटना शहर में भूमिगत सीवर लाइन बिछाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में (राज्य मंत्री) (डा० यू० वेंकटस्वरलू): (क) और (ख) बिहार सरकार ने पटना शहर में जल आपूर्ति सीवरेज और कचरा-प्रबंध पर 159.686 करोड़ रुपए की अनुमानित लगात की एकमुश्त परियोजना रिपोर्ट भेजी है जिसे जापान के ओवरसीज इकानोमिक कोरपोरेशन फण्ड (ओ०ई०सी०एफ०) से विदेशी मदद के लिए भेजा गया है। सीवरेज घटक की लागत 64.146 करोड़ रुपए है और इसमें 300 मिली मीटर व्यास वाले 105 कि०मी० के मुख्य सीवर, 150 मि०मी० से 300 मि०मी० व्यास वाले 761 कि०मी० लम्बी शाखा-सीवर, तीन मध्यवर्ती लिफ्ट स्टेशन और 33 मिलियन लीटर दैनिक क्षमता का एक अतिरिक्त गन्दा पानी शोधन संयंत्र लगाने का प्रस्ताव है। ये सभी सुविधाएं सन् 2001 में 11.80 प्रायोजित आबादी की सुविधा के लिए है।

(ग) प्रश्न नहीं उठाता।

Licences for Import and Distribution of LPG

1792. SHRI RAJUBHAI A. PAR-MAR: Will the PRIME MINSITER be pleased to state:

(a) the private companies who have applied for licences for import and distribution of Liquified Pertroleum Gas, under parallel marketing system;

(b) the companies, out of the above, who have been granted such licences;

(c) the private companies presently operating in the market under the said marketing system and the licences since wound up; and

(d) whether any of those wound up have gone underground after collecting and grabing huge sums of public money from intending consumers; if so, the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISIRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI T.R. BAALU): (a) to (d) Under the parallel marketing system, private parties, have been allowed to import and market LPG, using/ setting up their own infrastructure and distribution network, at market-determined prices, under their own terms. Private parties are not required to obtain only licence from the Ministry of Petroleum and natual Gas for undertaking activities under the scheme. They are, however, required to obtain clearances under the telenant Acts and Rules regarding safety, pollution control, etc., as applicable. The private parties are also new required to get themselves 'rated' from one of the approved rating agencies and submit a copy of the rating certificate to the Ministry of Petroleum and Natural

Gas and others concerned. LPG is under OGL (Open General Licence) and no licence is required for its import.

96 parties have obtained rating under LPG Control Order, so far. However, only 16 parties have imported LPG under the parallel marketing system so far:—

1. M/s. Essar World Trade.
2. M/s. Hindustan Domestic Oil & Gas Co.
3. M/s. Jay Cylinders.
4. M/s. Bharat Shell.
5. M/s. Shri Shakti LPG.
6. M/s. Aegis Chemicals.
7. M/s. Kabsons Industries.
8. M/s. Palril.
9. M/s. Bpomi Gas.
10. M/s. Mahagas.
11. M/s. Asia LPG.
12. M/s. SPIC.
13. M/s. Reliance Petroleum.
14. M/s. Feena Petroleum.
15. M/s. Indo-Gulf Fuels Limted.
16. M/s. Indore Gases.

Most of the LPG imported by the above parties has been sold in bulk to Industrial and Commercial Consumers.

The Government do not monitor the operations of parallel marketeers of LPG. Public have been suitably advised and warned through press releases that they must find out the antecedents, genuineness and capabilities of concerned parallel marketeers before entering into any transaction with them. The State and UT Governments have also been advised to verify the genuineness, antecedents and capabilities of persons/agencies engaged in paralled marketing of LPG and to take appropriate action against persons who have been found indulging in fraudulent and unfair trade practices. For any grievances, the customers can see redres-sal from any of the usual for like MRTPC. State/District Consumer Grievances Committee and Consumers' Fora etc. besides other avenues available under the law of the land.

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई०ए०एस०) के पदों का सृजन और उनका अभ्यर्पण

1793. श्री अनन्तराव देवशंकर दवे: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1991-92 से 1995-96 तक अखिल भारतीय सेवाओं में कितने नए पदों का सृजन किया गया और उपर्युक्त श्रेणियों में कितने पद अभ्यर्पित/समाप्त किए गए; और

(ख) 31 जुलाई, 1996 की स्थिति के अनुसार उपर्युक्त श्रेणियों में कितने पद रिक्त पड़े हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० आर० बालासुब्रह्मण्यम): (क) अखिल भारतीय सेवा के किसी भी राज्य संवर्ग की प्राधिकृत पद संख्या संबंधित राज्य सरकार के साथ परामर्श करके निर्धारित की जाती है। भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा/भारतीय वन सेवा के किसी भी संवर्ग की पद संख्या तथा उसकी संरचना की पुनरीक्षा, भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा/भारतीय वन सेवा (संवर्ग), नियमावली तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा/भारतीय वन सेवा (संवर्ग पद संख्या का निर्धारण), विनियमावली के अनुसार साधारणतः 5 वर्ष के अंतराल पर की जाती है। संवर्ग पुनरीक्षा के दौरान राज्य सरकारों को अपने राज्य में अस्थायी तथा संवर्ग बाह्य पद सृजित करने की शक्तियां प्राप्त हैं। ऐसा राज्य सरकारों द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा/भारतीय वन सेवा (संवर्ग) नियमावली और भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय पुलिस सेवा/भारतीय वन सेवा (वेतन) नियमावली के उपबंधों के अनुसार और उसमें निर्धारित सीमाओं के अनुसार किया जाता है।

तथापि, तीनों अखिल भारतीय सेवाओं के प्रत्येक संवर्ग की कुल प्राधिकृत पद संख्या में दिनांक 1.1.92, 1.1.93, 1.1.94, 1.1.95 और 1.1.96 को उपलब्ध सूचना के अनुसार वृद्धि अथवा कमी, जैसी भी स्थिति है, विवरण-I, II और विवरण III में दी गई है (नीचे देखिए)।